p>

Title: Need to take measures for connecting rivers to check problem of floods and drought in Bihar.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से अपने बिहार के मगध क्षेत्र की समस्या रखना चाहता हूं । आज सदन में बिहार की बाढ़ की चर्चा काफी प्रमुखता से हुई । बिहार में आई बाढ़ से दर्जनों जिले व लाखों लोग प्रभावित हैं । इस विषय पर आज कई माननीय सदस्यों ने चर्चा की । सचमुच स्थिति बड़ी भयावह है, लेकिन जो बात मैं कहने जा रहा हूं उससे आपको आश्चर्य होगा । एक तरफ बिहार बाढ़ की चपेट में है तो वहीं दक्षिण के कई जिले सूखे की चपेट में है । मगध क्षेत्र के औरंगाबाद, गया, नवादा, अरवल, जमुई, और मुंगेर ऐसे जिले है, जहां सिंचाई के लिए पानी की बात तो छोड़ दीजिए, पीने के लिए भी पानी का अभाव है । मैं आपको बताना चाहता हूं कि अभी एक सप्ताह पहले थोड़ी बारिश हुई, किसान खुश हुए और लोग खेती के काम के लिए खेतों में उतर गए, लेकिन उसके बाद बारिश बंद हो गई । जिन लोगों ने खेतों में जुताई का काम कर दिया, उनके खेत सूख रहे हैं और उनका पैसा भी बर्बाद जा रहा है । मैं स्थायी निदान के लिए आपके माध्यम से भारत सरकार से यह कहना चाहता हूं कि वाजपेयी जी के समय में नदियों को जोड़ने की योजना शुरू हुई थी, जिसे बाद के शासन काल में रोक दिया गया । मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि जब बाढ़ आती है, तो लाखों किसानों का घर और फसल बर्बाद करके चली जाती है । वह पानी समुद्र में चला जाता है, इसलिए नदियों को जोड़ने की आवश्यकता है, ताकि इसका स्थायी निदान हो सके ।